This question paper contains 4 printed pages.

Roll No. ----------

6392

B.A(Hons.) (OC)/III

E

SANSKRIT---Paper VIII

(Essay , Translation Rhetorics and Prosody)

(Admission of 2005 and before)

Duration – 3 hours Maximum Marks - 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note:-Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :–अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए , परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** में निबन्ध लिखिए:

   Write *an* essay in **Sanskrit** on any ***one*** of the following: 35

   (क) भारतीया संस्कृतिः

   (ख) वसुधैव कुटुम्बकम्

   (ग) मम मेट्रोरेलयात्रा

   (घ) गीता सुगीता कर्तव्या

   (ङ) सत्संगतिः

2. अधोलिखित में से किन्हीं **पाँच** का **संस्कृत** में अनुवाद कीजिए:
Translate into **Sanskrit** any ***five*** of the following: 5 x 5 = 25

(क) अनुशासन व्यक्ति के साथ--साथ राष्ट्र की उन्नति के लिए बहुत आवश्यक है। ऐसा कहना ठीक ही है कि अनुशासन और जनतन्त्र साथ--साथ रहते हैं। आज हम संसार में देख सकते हैं कि उन्हीं देशों ने उन्नति की है जो कि अनुशासित हैं।

Discipline is very essential for the progress of an individual as well as for the nation as a whole. It is correct to say that discipline and democracy go hand in hand together. Today, we can see in the world that only those countries have progressed which are disciplined.

(ख) यह राम के लिए लाया हूँ। उसके लिए यह कठिन है। किसानों के लिए सरकार बहुत कुछ कर रही है। इस ऋतु में न तो अधिक गर्मी रहती है और न अधिक ठण्डक। पेडों में नयी--नयी कोंपलें निकल आती हैं।

I have brought it for Ram. This is difficult for him. The government is doing a lot for the farmers. In this season there is neither too hot nor too cold. Tender lieves grow come out in the trees.

(ग) वह जटाओं से तपस्वी प्रतीत होता है। वह कानों से बहरा है। काम से क्रोध उत्पन्न होता है। मुझे मिठाई अच्छी लगती है। मथुरावाले पटनावालों से धनी हैं।

He looks like an ascetic by malted hair. He is deaf by ears. Desire gives rise to anger. I like sweets. Citizens of Mathura are richer than that citizens of Patna.

(घ) कालिदास संस्कृत साहित्य के महान् कवि और नाटककार हैं। उनकी काव्यशैली ने सभी कवियों को प्रभावित किया है। वे सभी कलाओं से पूर्णतया परिचित थे। परन्तु उस महाकाव्यकार के जीवन--परिचय और जन्मस्थान के विषय में कोई विवरण उपलब्ध नहीं है।

Kalidasa is a great poet and dramatist of Sanskrit literature. His poetic style has influenced all other poets. He was acquainted with all the fine arts. But no record exists on the life and birth place of such a poetic genius.

(ङ) मैंने उससे दस प्रश्न पूछे, लेकिन उसने एक का भी उत्तर नहीं दिया। इस पर मैंने उस पर क्रोध किया। धर्मपरायण ब्राह्मण को तीन बार सन्ध्या करनी चाहिए तथा केवल एक बार सूर्यास्त से पहले खाना खाना चाहिए।

I asked him ten questions but he did not answer any one of them. Therefore, I got angry with him. A devout Brahmana should perform Sandhya thrice a day and eat only once a day before sunset.

(च) भारत का प्राचीन साहित्य संस्कृत भाषा में निबद्ध है। दण्डी ने इसे देवभाषा कहकर सम्मानित किया है। संस्कृत साहित्य में भारतीय संस्कृति का सम्पूर्ण ज्ञान निहित है। ऐसा लगता है कि यह कभी राजभाषा भी थी। यह मधुर एवं सरल भाषा है।

Ancient Indian literature is composed in Sanskrit language. Dandin has honoured it by naming as devine language—Devabhasha. Complete knowledge of Indian culture lies in Sanskrit Literature. It seems that it was an official language at some point of time. This is a sweet and easy language.

(छ) एक प्रसिद्ध कहानी है। एक राजा था। उसके तीन बेटे थे। तीनों आपस में हमेशा लडा करते थे। एक दिन राजा ने अपने बेटों को बुलवाया।

There is a well-known story. There was a king. He had three sons. All the tree had always been quarrelling with each other. One day the king sommoned his sons.

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए:
Explain any *one* of the following: 6

(i) नैसर्गिकी च प्रतिभा श्रुतं च बहु निर्मलम्।
अमन्दश्चाभियोगोऽस्याः कारणं काव्यसंपदः।।

(ii) तदल्पमपि नोपेक्ष्यं काव्ये दुष्टं कथंचन।
स्याद्वपुः सुन्दरमपि श्वित्रेणैकेन दुर्भगम्।।

(iii) वर्णावृत्तिरनुप्रासः पादेषु च पदेषु च।
पूर्वानुभवसंस्कारबोधिनी यद्यदूरता।।

4. दण्डी के अनुसार काव्य के लक्षण का विश्लेषण कीजिए:
Analyze the definition of Kavya according to Dandin. 9

अथवा (Or)

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:
Write notes on any *three* of the following:

(क) गद्यकाव्य
(ख) सुकुमारता
(ग) शैथिल्य दोष
(घ) काव्य का आदर्श
(ङ) अर्थव्यक्ति

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों का सोदाहरण लक्षण दीजिए:
Define and illustrate any ***three*** of the following figures of speech: 3x3=9
यमक , रूपक , अर्थान्तरन्यास , विशेषोक्ति , भ्रान्तिमान् , व्यतिरेक।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में प्रयुक्त अलंकारों का लक्षण सहित विवेचन कीजिए:
Define and explain the figures of speech in any *two* of the following: 2x3= 6

(क) प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता।
अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि।।

(ख) आदाय बकुलगन्धानन्धीकुर्वन् पदे पदे भ्रमरान्।
अयमेति मन्दमन्दं कावेरीवारिपावनः पवनः।।

(ग) सैषा स्थली यत्र विचिन्वता त्वां भ्रष्टं मया नुपूरमेकमुर्व्याम्।
अदृश्यत त्वच्चरणारविन्दविश्लेषदुःखादिव बद्धमौनम्।।

(घ) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपः क्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति।।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों के सोदाहरण लक्षण दीजिए:
Define and illustrate any *two* of the following metres: 2x3=6
वंशस्थ , शिखरिणी , वसन्ततिलका , उपेन्द्रवज्रा।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों में गणविभाजनसहित छन्दोनिर्देश कीजिए:
Scan and name the metres in any *two* of the following: 2x2=4

(क) भृत्यैर्मगधराजस्य स्निग्धैः कन्यानुगामिभिः।
धृष्टमुत्सार्यते सर्वस्तपोवनगतो जनः।।

(ख) कः कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।
एवं लोकस्तुल्यधर्मा वनानां काले काले छिद्यते रुह्यते च।।

(ग) पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

(घ) आपरितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।।